पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 01.10.2013 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्ष गुरूकुल, होशंगाबाद की अपील

बाढ़ के आने से क्षतिग्रस्त गुरूकुल होशंगाबाद, म.प्र. की सहायता करें

:-सम्पर्क:-
आचार्य जगदेव
नैष्ठिक, फोन:09827513029.

वर्ष-30 अंक-09 आश्विन-2070 दयानन्दाब्द 190 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2013 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.10.2013, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

॥ ओ३म् ॥

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

सहयोग : भारत विकास परिषद् पीतमपुरा शाखा

130 वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत संध्या

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

सोमवार, 4 नवम्बर 2013, सायं : 4 से 8 बजे तक

स्थान : **दिल्ली हाट**, पीतमपुरा, दिल्ली (निकट मेट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस)

यज्ञ : सायं 4 से 5 बजे तक ● ब्रह्मा : **आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी**

मुख्य यजमान : श्रीमती एवं श्री दर्शन अग्निहोत्री, तिलक चान्दना, सुभाष गुप्ता, अशोक बत्रा

:-गायक कलाकार:-

नरेन्द्र आर्य "सुमन" एवं सुदेश आर्या

मुख्य अतिथि : **माननीया श्रीमती शीला दीक्षित** (मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार)

अध्यक्षता : **श्री प्रदीप तायल** (पाईटैक्स ज्वैलर्स, पीतमपुरा)

विशिष्ट अतिथि : **श्री अनिल भारद्वाज, श्री रविन्द्र गुप्ता, श्री श्यामलाल गर्ग** (विधायक), **रेखा गुप्ता** (पार्षद), **ममता नागपाल** (पार्षद), **सुदेश भसीन, सुरेश अग्रवाल, घनश्याम गुप्ता, नीरज रायजादा, डॉ. राजीव चावला, अमित नागपाल, दीपक सेठिया, बी.बी.तायल, के.एस.यादव, सुरेन्द्र कोहली, ब्रह्मप्रकाश मान, वीरेन्द्र मान (काला)**

'आर्य महिला रत्न' अवार्ड से सम्मानित

श्रीमती सुधा शर्मा	श्रीमती अल्का अग्रवाल	श्रीमती उर्मिला मनचन्दा
श्रीमती शशि आर्या	श्रीमती कृष्णा आर्या	श्रीमती अनिता आनन्द
श्रीमती निर्मल गुप्ता	श्रीमती मन्जु आर्या	श्रीमती अनिता कुमार
श्रीमती सरोजनी दत्ता	श्रीमती उषा खतूरा	श्रीमती कविता रानी
श्रीमती रेणु अरोड़ा	श्रीमती दीप्ति आर्या	श्रीमती विजय चोपड़ा

आमंत्रित आर्य नेता : सर्वश्री मुन्शीराम सेठी, अशोक गुप्ता (समालखा), टी.आर.मित्तल, सुरेन्द्र गुप्ता, जोगेन्द्र खट्टर, गोविन्दलाल नागपाल, प्रवीन आर्य, रामकृष्ण सतीजा, सुशील आर्य, दुर्गाप्रसाद कालड़ा, सत्यप्रकाश आर्य, व्रतपाल भगत, यशपाल आर्य, रविन्द्र मेहता, सुनील गुप्ता, कै.अशोक गुलाटी, गायत्री मीना, लक्ष्मी सिन्हा, जितेन्द्र डावर, चत्तरसिंह नागर, सुरेन्द्र शास्त्री, डॉ.सुन्दरलाल कथुरिया, रमेश गाडी, रवि चड्डा, सत्यानन्द आर्य, राजेन्द्र लाम्बा, ओमप्रकाश मनचन्दा, यज्ञशरण कुलश्रेष्ठ, डॉ० ओमप्रकाश मान, अमरनाथ बत्रा, शिवकुमार गुप्ता, नन्दकिशोर गुप्ता, अशोक कथूरिया, सरोज-जवाहर भाटिया, अमरनाथ गोगिया, महेन्द्र मनचन्दा, ओम सपरा, प्रमोद सपरा, प्रेम छाबड़ा, डी.एल.नारंग, विश्वनाथ आर्य, चन्द्रमोहन खन्ना, नीरज भण्डारी, रचना आहूजा, उर्मिला आर्या, राजकुमार अग्रवाल, ओमप्रकाश घई, महेन्द्र बूटी, पुष्पलता वर्मा, प्रभा सेठी, आदर्श सहगल, अर्चना पुष्करणा, संतोष वधवा, विजयारानी शर्मा, बिम्मी अरोड़ा, अन्जू जावा, राजीव आर्य, सुदेश डोगरा, व्रतपाल कश्यप, नरेन्द्र कालरा, विवेक राणा, शन्नोदेवी सचदेवा, अमीरचन्द रखेजा, सुशीला सेठी, माता स्वर्णा गुप्ता अजय जिंदल, मदनलाल आर्य, सतीश नारंग, रमेश भसीन, इन्द्रसेन साहनी, रामकृष्ण तनेजा, क० जे.एस.रैना, प्रकाशवीर बत्रा, धर्मपाल परमार

ऋषि लंगर

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

निवेदक :

डॉ.अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	**आनन्द चौहान** संरक्षक	**राजेश बंसल** स्वागत अध्यक्ष	**राजकुमार जैन** स्वागत अध्यक्ष	**रणसिंह राणा** स्वागत मंत्री
महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री	**यशोवीर आर्य** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**कृष्णचन्द पाहुजा** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**रामकुमार सिंह** प्रान्तीय संचालक	**देवेन्द्र भगत** प्रेस सचिव
दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	**धर्मपाल आर्य** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	**सुरेश आर्य** राष्ट्रीय मंत्री	**राकेश भटनागर** राष्ट्रीय मंत्री	**संतोष शास्त्री** प्रान्तीय महामंत्री

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007 : दूरभाष : 9810117464, 9013137070, 9312406810

Website : www.aryayuvakparishad.com ◆ aryayouthgroup@yahoogroups.com
E-mail : aryayouth@gmail.com ◆ anil_arya@escorts.co.in

देश के लिए अति महत्वपूर्ण 21 सुझाव

– विनोद बंसल

भारत ने अभी हाल ही में अपनी स्वतंत्रता की 66वीं वर्षगांठ तो मना ली किन्तु देशवासियों के मन में अनेक अनुत्तरित् प्रश्न अब भी जैसे के तैसे खडे हैं। क्या सच्चे माइने में हम स्वतंत्र हैं? क्या वर्तमान शासन व्यवस्था वास्तव में जनता द्वारा जनता के लिए है? क्या भारत के प्रत्येक नागरिक को रोटी कपडा, मकान, सुरक्षा, शिक्षा व रोजगार के साथ अपने स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार मिल सकता है। आजादी के बाद हमने प्रगति तो बहुत की किन्तु अभी भी राजनीति में चहुँ ओर व्याप्त भ्रष्टाचार, अपराधीकरण तथा छुद्र राजनैतिक लालच से प्रेरित निर्णयों के कारण आम नागरिक त्राहिमाम् कर रहा है।

इन सभी समस्याओं की जड है लोकतंत्र के मन्दिर संसद में बडी संख्या में पहुंचने वाले दूषित चरित्र के निरंकुश शासक जो अपने स्व की तो चिन्ता करते हैं किन्तु तंत्र(जनता) के प्रति प्रायः उदासीन ही रहते हैं। गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, अशिक्षा व असुरक्षा जैसी महामारियों से यदि देश को बचाना है तो हमें चुनाव सुधारों हेतु तत्काल प्रभावी कदम उठाने पडेंगे। अभी हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा आर टी आई ट्राइब्यूनल के ऐतिहासिक निर्णयों के अलावा चुनाव आयोग द्वारा भी अनेक सराहनीय कदम तो उठाए गए हैं किन्तु इन सभी निर्णयों को निष्प्रभावी बनाने हेतु भी राजनैतिक दलों में एक जुटता देखी जा रही है। देश वासियों के हितों के विरुद्ध राजनेताओं की यह एक जुटता किसी गंभीर खतरे से कम नहीं आंकी जा सकती है। देश की राजनीति को शुचितापूर्ण बनाने हेतु निम्नांकित बिंन्दु भारत के नागरिकों को इन सभी प्रकार की समस्याओं से मुक्ति दिलाने में मील के पत्थर साबित होंगेः

अ) चुनाव से पूर्व किए जाने वाले कार्यः

1 मतदाता सूचियों की गहन छानबीन कर उसमें से फर्जी नाम हटाए जाएं तथा जो मतदान योग्य नागरिक छूट गए हैं वे सभी शामिल किए जाएं। किसी भी विदेशी नागरिक का नाम उसमें न हो इसकी पुख्ता व्यवस्था की जाए।

2 जाति, मत, पंथ, संप्रदाय, भाषा, धर्म व राज्य के आधार पर विभाजनकारी आंकड़ों के प्रसारण व प्रकाशन पर पूर्ण रोक के साथ प्रत्याशियों द्वारा इनके उपयोग पर प्रतिबंध हो इससे देश के सामाजिक व धार्मिक ताने–बाने को कोई नुकसान न पहुँचे।

3 वोट डालने के अधिकार के साथ मतदाता को, उसके कर्तव्य का बोध भी कराया जाए जिससे अधिकाधिक मतदाता जागरूक होकर बड़ी संख्या में मतदान कर सकें। मतदान हेतु अनिवार्य छुट्टी की व्यवस्था तो कर दी किन्तु जब तक नियोक्ता अपने सभी कर्मचारियों की उंगली देख कर यह सुनिश्चित न करे कि जिस कर्मचारी ने मतदान नहीं किया उसका वेतन काट दिया गया है, छुट्टी का कोई अर्थ नहीं है।

4 प्रत्येक मतदाता को अनिवार्य मतदान हेतु प्रेरित किया जाए। मतदान से जानबूझकर या निरंतर वंचित रहने वाले नागरिकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही भी की जा सकती है।

5 मतदान की प्रणाली को सरल, सुगम व सर्वग्राह्य बनाने हेतु इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीनों के अलावा ई–नेट वोटिंग जैसे प्रावधान करने चाहिए जिससे कोई भी और कहीं भी आसानी से मतदान कर सके। इनसे देश का तथाकथित उच्चवर्ग जैसे उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी, बुद्धिजीवी व बड़े व्यवसाइयों के अलावा चुनाव प्रक्रिया में सहभागी अधिकारी व कर्मचारी भी आसानी से किंतु अनिवार्य रूप से मतदान कर सकेंगे।

6 अपराधियों या अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोका जाए।

7 चुनाव लड़ने हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, अनिवार्य स्वास्थ्य जाँच, अधिकतम आयु सीमा निर्धारित हो।

8 किसी भी राजनेता को संवैधानिक पद दिये जाने से पूर्व उसकी वह सभी छानबीन की जानी चाहिए जो एक सरकारी कर्मचारी की नियुक्ति हेतु आवश्यक है।

9 राजनैतिक दलों को आर टी आई के अन्तर्गत लाया जाए।

10 प्रत्येक प्रत्याशी को एक न्यूनतम घोषणा पत्र और उसके पालनार्थ न्यूनतम मापदण्ड निश्चित किए जाएं।

11 चुनावों से पूर्व किसी बडी लोक–लुभावन वोट लालची योजना की घोषणा सम्बन्धी बडे बडे विज्ञापनों पर रोक लगे।

12 सभी सरकारी विज्ञापनों (विशेषकर नेताओं के जन्म दिवस या पुण्य तिथियों के अवसर पर) में नेताओं की फोटो या उनका गुणगान नहीं हो। जिस फोटो में किसी नेता का फोटो या नाम हो, उसका खर्च उसी से लिया जाए। अन्यथा नाम के स्थान पर उसका पद ही पर्याप्त है।

ब) चुनावों के दौरानः

13 दुराचारी, अपराधी, अशिष्ट या अनचाहे सभी प्रत्याशियों को चुनाव से दूर रखने हेतु "नो वोट" के गोपनीय मतदान की व्यवस्था हो। एक निश्चित प्रतिशत से अधिक नो वोट पडने पर सभी प्रत्याशी चुनाव में खडे होने के लिए अयोग्य घोषित किए जाएं।

14 धन–बल के दुरुपयोग को रोकने तथा योग्य उम्मीदवार को चुनाव लडने हेतु सबल बनाने के लिए चुनाव का समस्त खर्च सरकार वहन करे।

15 मतदान केन्द्र व निर्वाचन कार्यालयों की वीडियो रिकार्डिंग हो।

16 प्रत्येक मतदाता को उससे सम्बन्धित प्रत्येक प्रत्याशी का सम्पूर्ण विवरण सरल ढंग से चुनाव आयोग द्वारा भेजा जाए जिससे मतदान से पूर्व सही व्यक्ति के चुनाव हेतु मतदाता को सहयोग मिल सके।

स) चुनावों के उपरान्तः

17 प्रत्येक निर्वाचित प्रतिनिधि के अनिवार्य बहुमुखी प्रशिक्षण की व्यवस्था हो जिसमें उससे सम्बन्धित कार्य का विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाए।

18 चुने हुए जन प्रतिनिधियों के कार्य का वार्षिक अंकेक्षण व मूल्यांकन करा रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए जिससे जनता अपने जन प्रतिनिधि के कार्य का सही सही दर्शन कर सके। इसमें आर्थिक पक्ष के साथ साथ जन प्रतिनिधि का सामाजिक चेहरा भी सामने आए कि वह कितनी बार जनता के बीच रहा और कितनी बार उसने जनता की आवाज सदन में उठाई।

19 प्रतिवर्ष प्रत्येक जन प्रतिनिधि के स्वास्थ्य, कार्यक्षमता व नैतिकता की जांच कर यह रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

20 जन प्रतिनिधि को अपराधी ठहराए जाने या सजा सुनाए जाने के तत्काल बाद उसको पदच्युत करने की व्यवस्था हो। इस कार्य की जांच पडताल हेतु प्रत्येक राज्य में एक निगरानी तंत्र की व्यवस्था हो जिसमें राज्य के महाधिवक्ता, अभियोजन महा निदेशालय, सूचना व प्रसारण विभाग व मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हों ।

21 जिस सदन (यथा संसद, विधानसभा, विधान परिषद्) के लिए प्रत्याशी चुना जाए उससे अनुपस्थित रहने या जनता के बीच कार्य करने में अक्षम या उदासीन रहने पर जन प्रतिनिधि के विरुद्ध कार्यवाही की व्यवस्था हो। यानि, राइट टू रिकाल की भी व्यवस्था हो।

भारतीय ग्रंथों में भी कहा गया है कि 'यथा राजा तथा प्रजा' अर्थात जैसा राज वैसी ही उसकी प्रजा। उपरोक्त सुझावों के सकारात्मक क्रियान्वयन हेतु प्रबुद्ध नागरिक मंच की और से एक अपील भी भारत के राष्ट्रपति तथा मुख्य चुनाव आयुक्त से की गई। यदि त्वरित कार्यवाही हुई तो न सिर्फ स्व–तंत्र की मजबूत नींव रख देश की दिशा व दशा दोनों ठीक होंगीं बल्कि भारत पुनः सोने की चिडिया बन राम राज्य की ओर लौटेगा।

— 329, संत नगर, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली—65, मो. 9810949109

दिल्ली चलो आर्यों दिल्ली चलो
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में
251 कुण्डीय विराट् यज्ञ एवं
अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन
दिनांक 24, 25, 26 जनवरी 2014
रामलीला मैदान, पी.यू.ब्लाक,
पीतमपुरा, दिल्ली–110034
हजारों की संख्या में पहूंचे
–डा.अनिल आर्य, मुख्य संयोजक

धर्मनिर्पेक्षवाद मानववाद व आत्मिकज्ञान के गुणों से पूर्ण रूपेण दूर है।

अनिल कुमार मित्तल

धर्मनिर्पेक्षवाद क्या है ?

धर्मनिर्पेक्षवाद, एक ऐसा विचार है, जिसमें राज्य और उसका प्रशासन, उसमें रहने वाले लोगों की आस्था, विश्वास तथा धार्मिक मान्यताओं से पूर्ण रूप से अलग रहते हैं। धर्मनिर्पेक्षवाद का दर्शन पूरी तरह गलत है, क्योंकि प्रशासन व्यवस्था के लिए इस आस्था तथा धर्म से दूर रहना मुमकिन नहीं है, क्योंकि पूरा मानव अस्तित्व इन्ही आस्था, विश्वास तथा धर्म के तारों से चारों ओर बुना हुआ है। 90 प्रतिशत से ज्यादा मानव गतिविधियां इन्हीं आस्था, विश्वास तथा धर्म से प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से निर्देशित हैं।

धर्मनिपेक्षवाद किस प्रकार अस्तित्व में आया ?

करीब 300 वर्ष पूर्व, जब महान ब्रिटेन, उसके बेलगाम राजनेताओं के पापपूर्ण कार्यो के कारण तकलीफें झेल रहा था, वहां के राजनेता लूटपाट, भ्रष्टाचार तथा व्याभिचार में शामिल थे जिस दिशा में आज हमारा देश अग्रसर होता प्रतीत हो रहा है ब्रिटिश साम्राज्य के धार्मिक गुरूओं ने इससे तंग आकर सीधे प्रकार से दखल देने का निर्णय लिया। धर्म के इस सीधे दखल से बचने की नीयत से, उन धूर्त ब्रिटिश राजनेताओं ने धर्मनिर्पेक्षवाद को लागू करने का रास्ता अपनाया। धर्मनिर्पेक्षवाद से उनका सीधा अर्थ यह था कि चर्च की दखलंदाजी पूर्णरूप से खत्म हो जाये और वे अपनी लूटपाट की प्रक्रिया को जारी रखें। उन्होंने चर्च की दखलंदाजी समाप्त करने के पक्ष में भारी तर्क दिए, कई ऐसे संगठन खड़े कर दिये, जिससे ब्रिटिश प्रशासन के खिलाफ जंग लड़ी जाए। काफी हद तक वे सफल भी रहे।

भारत में इसकी शुरूआत क्यूं हुई?

भारत में कांग्रेस के शासन में नेहरू द्वारा वोट बैंक राजनीति करते हुऐ, मुस्लिम/ईसाईयों को बढ़ावा देने तथा फूट डालो और राज करो के विचारों से युक्त, हिन्दुत्व को समाप्त करने की एक मात्र नीयत के तहत इस धर्मनिर्पेक्षवाद की वैचारिकता को लागू किया गया। भारत के ये तथाकथित धर्मनिर्पेक्षवादी, धर्मनिर्पेक्ष प्रशासन लागू करके पूरी जनता का भविष्य बिगाड़ देना चाहते हैं। इस दुनिया में कई ऐसे देश हैं जिन्होंने इस प्रकार धर्मनिर्पेक्षवाद का पालन किया और अनैतिकता तथा अनियमितता का सामना कर रहे हैं। यदि धर्म के रूप में स्थापित नैतिकता तथा नियमों को राष्ट्र की प्रगति के कार्य से दूर कर दिया जाये तो बाकी बचता ही क्या है?सिर्फ पाश्विकता और क्या ?

इन्दिरा गांधी देश की वह राजनेता थी, जिसने संविधान में मूल रूप से धर्मनिर्पेक्षवाद को स्थान देने का घिनोना कार्य किया। अब हमारे भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा धर्मनिर्पेक्षवाद तथा नैतिक गिरावट के गंभीर परिणाम भुगत रहा है।

धर्मनिपेक्षवाद देश की स्थिरता तथा एकता के लिए घातक है

मार्क्सवाद तथा मुस्लिम एंव ईसाईओं के प्रति शासकीय सहयोग को धर्मनिर्पेक्षवाद की दीवार को ऊंचा करके छुपाया तो जा सकता है, लेकिन धर्मनिर्पेक्षवाद को धर्म उखाड़ने के लिए हथियार नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि धर्म मानव अस्तित्व का आधार है। दुर्भाग्य से धर्मनिपेक्षवाद को विशेषरूप से हिन्दुत्व को समाप्त करने, दबाने के लिए लागू किया गया।

धर्मनिपेक्षवाद मूल रूप से दोगला तथा पापपूर्ण विचार है, अभ्यास में दानव रूपी और नीयत में गिरा हुआ है।

धर्मनिर्पेक्षवाद के भारत में निम्नलिखित दुष्प्रभाव हैं –

हर संभव तरीके से अपने ही देश में हिन्दुत्ववाद को उखाड फेंकना। ❑ जेहादी आतंकवाद को खुला बढ़ावा। ❑ गैर हिन्दुवाद को इस्लामिक जेहाद/रोमन कैथोलिक अतिवाद के साथ क्रास करके एक अजीब प्राणी 'हिन्दु आतंकवाद' को जन्म दिया गया है। ❑ इसाई मिशनरियों को खुला निमंत्रण देकर धर्म परिवर्तन की इज़ाज़त। ❑ मुस्लिमों, को पाषाण युग शरियत को लागू करने की इज़ाज़त। ❑ प्रेम जेहाद जैसी असमाजिक गतिविधियो की आजादी, मुस्लिम/इसाईयों को हिन्दुओ से धन तथा जमीन अपने हाथों में लेने के लिए प्रोत्साहन। सरकार ने उनके इस प्रकार अतिवादी कार्यो को कानूनी कर दिया है। ❑ दलित इसाईयों तथा दलित–मुस्लिमों के लिए आरक्षण के रूप में राष्ट्रीय संसाधनों का गलत उपयोग, जैसे कि 'हज–सब्सिडी, सब्सिडी सहित कर्ज़..... जैसे कि वे अति विशेष नागरीक हों। ❑ इस्लामिक कौम तथा इसाई पवित्रभूमि (होली लैंड) जैसे खतरों की तरफ आंखे बंद करके रखना।

हिन्दु समुदाय का, उनकी शिक्षा व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करके, समाप्त करना

आज की शिक्षा राष्ट्र–विरोधियों को जन्म दे रही है, जिन्हें हिन्दुओं के विषय में सब कुछ गलत लगता है और मुस्लिम/इसाईयों के मामले में सब कुछ सही। वे इन दोनों समुदायों के हक में हर संभव मांग रखते हैं, नक्सलवादी/माओवादी के मरने पर गुस्से में आते हैं, लेकिन उनके द्वारा निर्दोषों की हत्या किये जाने पर अपने बिलों में धुस जाते हैं।

धर्मनिर्पेक्षवादी, धर्मनिपेक्षवाद के मूर्खतावाद को विविध–संस्कृति वाद के रूप में परिवर्तित करने की कोशिश करते हुऐ उसे नई ताकत के साथ राष्ट्र पर पुनः लागू कर रहे हैं। हाल ही में ब्रिटिश प्रधान मंत्री डेविड कैमरोन ने विविध–संस्कृति वाद की भर्त्सना की, इस भर्त्सना ने धर्मनिर्पेक्षवादियों बनाम विविध–संस्कृतिवादियों की बड़ी सेना को परेशान कर दिया।

धर्मनिर्पेक्षवाद सही मायने में बिगड़ा हुआ 'पशुवाद' है, जो मानववाद व आत्मिकज्ञान के गुणों से पूर्ण रूपेण दूर है। सभी भारतीयों को धर्मनिर्पेक्षवाद के आतंक का सामना करने के लिये बड़े स्तर पर संगठित किया जाना चाहिये। मुझे आशा है कि देश के धर्मनिर्पेक्षवादी तथा राष्ट्रवादी दोनो तक मेरी भावनाऐं पहुँचेंगी।

संगठन मंत्री, श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा

डेंगू के डंक से रहें सावधान

डीज इजिप्टी नामक मच्छर के काटने से कुछ दिनों के बाद व्यक्ति डेंगू बुखार से ग्रस्त हो जाता है। मादा मच्छर एडीज इजिप्टी जब किसी व्यक्ति को काटते हैं, तो उस व्यक्ति के रक्त में डेंगू फैलाने वाले वाइरस प्रवेश कर जाते हैं। रक्त में वाइरस के प्रवेश करने के 4 से 10 दिनों के बाद इस रोग के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। ऐसा नहीं है कि एकबार काटने के बाद वाइरस से सक्रमित मच्छर इस रोग को फैलाने में निष्प्रभावी हो जाता है। वाइरस सक्रमित मच्छर अपने शेष जीवन–काल में लोगों को काटकर उन्हें डेंगू से ग्रस्त करने में सक्षम है। एडीज इजिप्टी मच्छर अधिकतर शहरों के रिहाइशी इलाकों में पनपते हैं। खासकर कंटेनरों में भरे साफ पानी में ये तेजी से पनपते हैं।

काटने का वक्त–एडीज इजिप्टी के संदर्भ में खास बात यह है कि ये रात में न काटकर सिर्फ दिन में ही काटते हैं। आम तौर पर इनके काटने की प्रवृत्ति तड़के सुबह और शाम को धुंधलका छाने के वक्त ज्यादा होती है।

लक्षण–हड्डियों व जोड़ों में तेज दर्द, ठंड के साथ तेज बुखार आना, शरीर पर चकत्ते पड़ना और इनमें खुजली होना, शरीर में दर्द, आखों के पीछे वाले भाग में दर्द होना, किसी वस्तु के स्वाद को बदला हुआ महसूस करना, पेट में दर्द और बार–बार उल्टिया होना, पेशाब के स्वाभाविक रंग का बदल जाना या फिर काले रंग का मल होना, नाक या मसूढ़ों से रक्त बहना।

अभी तक वैक्सीन उपलब्ध नहीं–डेंगू से सुरक्षा के लिए अभी तक कोई वैक्सीन ईजाद नहीं हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विभिन्न देशों और चिकित्सा संगठनों से जुडे़ विशेषज्ञों को डेंगू से सुरक्षा के लिए वैक्सीन बनाने के लिए तकनीकी सलाह प्रदान करने आश्वासन दिया है और इस संदर्भ में दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं। इसी क्रम में विभिन्न विशेषज्ञों के शोध–अनुसधान जारी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि निकट भविष्य में डेंगू की वैक्सीन उपलब्ध हो सकेगी।

उपचार–डेंगू बुखार के लिए कोई एक निश्चित इलाज विधि नहीं हैं। विभिन्न लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। रोगी के शरीर में पानी की कमी न होने पाए, इसके लिए उसे मुंह से और आईवी के जरिये तरल पदार्थ दिए जाते हैं। बुखार, उल्टिया, पेट दर्द, सिर दर्द और कमजोरी जैसे लक्षणों को दूर करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। इसके अलावा रोगी की पल्स रेट, रक्त में ऑक्सीजन की मात्र और ब्लडप्रेशर पर निगरानी रखी जाती है।

प्लेटलेट्स ट्रासफ्यूजन–डेंगू बुखार के कारण रक्त में प्लेटलेट्स काउंट गिरने लगता है। जब प्लेटलेट्स काउंट 10,000 से कम हो जाता है, तो उस स्थिति में रोगी को प्लेटलेट्स ट्रासफ्यूजन किया जाता है। अगर पीड़ित व्यक्ति के शरीर के किसी भाग से रक्तस्राव हो रहा हो, तब भी प्लेटलेट्स ट्रासफ्यूजन किया जाता है।

रोकथाम– ड्रम, कंटेनर आदि का पानी सप्ताह में कम से कम एक बार बदलते रहें, पानी को एकत्र करने वाले ड्रमों और कंटेनरों पर ढक्कन जरूर लगाएं, रिहाइशी स्थानों को स्वच्छ रखें, ताकि मच्छर न पनप सकें, दिन के वक्त नमी वाले स्थानों पर न जाएं, क्योंकि इन जगहों पर मच्छर रहते हैं, ऐसे वस्त्र पहनें जिनसे पूरा शरीर ढका रहे, बेकार हो चुके टायर, नारियल के खोल और बोतलों आदि को नष्ट कर दें ताकि इनमें पानी न एकत्र हो सके, मच्छरों को खत्म करने और इन्हें दूर भगाने के लिए क्वायल, स्प्रे आदि अन्य उपायों का इस्तेमाल करें।

रोहतक में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की हरियाणा प्रान्तीय बैठक सम्पन्न

क्या हिन्दू अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बन जायेगा-? -आर्य नेता डा.अनिल आर्य

रोहतक । रविवार, 22 सितम्बर 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की हरियाणा प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक वैदिक भक्ति आश्रम, आर्य नगर, रोहतक में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री मनोहरलाल चावला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि आज सरकारें वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की नीति पर चल रही हैं । आखिर इसका अन्त कहां होगा यह कोई नहीं सोच रहा, इसी का ताजा उदाहरण उ.प्र. के मुजफ्फर नगर में हुई भारी हिंसा है । जहां एक वर्ग विशेष को खुश करने के लिए सरकार ने सारी सीमायें लांघ दी। आज ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे हिन्दू अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बन कर रह गया है । आज जाति विशेष, वर्ग विशेष अथवा धर्म सम्प्रदाय विशेष के नाम पर देश को बांटा जा रहा है, किसी भी प्रकार का आरक्षण देश की एकता व अखण्डता के लिए बाधक है । गत् दिनों जम्मू के किस्तवाड़ा में हुई हिन्दुओं की हत्याओं पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि यह इस बात का संकेत करती है कि कश्मीर की तरह जम्मू भी हिन्दू विहीन करना चाहते हैं जिससे अलगाववाद, आंतकवाद को बढ़ावा दिया जा सके । आर्य जन देश की एकता ओर अखण्डता के लिए कार्य करेंगे लेकिन हिन्दुओं को भी अपने अधिकारों की रक्षा के लिये संगठित होकर प्रतिकार करना सीखना होगा । देश में जहां जहां हिन्दू कम हुआ है वहां पर ही देशद्रोह व अलगाववाद का स्वर उठा है।

आर्य संन्यासी स्वामी आर्य वेश ने कहा कि देश में सभी के लिए समान आचार सहिंता होनी चाहिये,अलग अलग कानून होने से द्वेष भावना बढ़ती है ।

परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा कि आर्य युवक परिषद् चरित्र निर्माण शिविरों के माध्यम से दिग्भ्रमित होती युवा पीढ़ी को चरित्रवान, नैतिक बल से भरपूर तैयार कर आदर्श समाज की संरचना का कार्य करेगी। प्रान्तीय अध्यक्ष मनोहरलाल चावला ने कहा कि हम ग्राम ग्राम में युवा संस्कार अभियान चला कर देश भक्त युवकों की सेना तैयार करेंगे। प्रान्तीय महामंत्री वीरेन्द्र योगाचार्य ने बैठक का कुशल संचालन करते हुए आश्वस्त किया कि परिषद् का हर जिले व ग्राम स्तर तक पुर्नगठन किया जायेगा।

प्रमुख रूप से दिल्ली प्रान्तीय संचालक श्री रामकुमार सिंह, हरिचन्द स्नेही(सोनीपत), पं.जगदीशचन्द वसु(पानीपत), ईशकुमारआर्य (हिसार), शमशेर आर्य,सूर्यदेव आर्य,योगेन्द्र आर्य(जीन्द), जितेन्द्र सिंह आर्य(फरीदाबाद), शशिभूषण मल्होत्रा, अमित आर्य(झज्जर), प्रवेश व पूनम आर्या, आकाश पाण्डेय, तीर्थसिंह आर्य(पत्रकार), वेदप्रकाश आर्य, गुरूदत आर्य(रोहतक), कृष्ण कौशिक, पं.भरतलाल शास्त्री(हांसी), मनोज सुमन आदि ने अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने देश के हालात पर चिन्ता व्यक्त करते हुए आर्य समाज को अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

आर्य समाज विशाखा एनक्लेव व वेद मन्दिर पीतमपुरा का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 29 सितम्बर 2013, आर्य समाज विशाखा एनक्लेव, दिल्ली के उत्सव के समापन पर पं.सत्यपाल पथिक, डा.अनिल आर्य व डा.सोमदेव शास्त्री जी। अध्यक्षता श्री सुरेन्द्र आर्य ने की। श्री धर्मवीर आर्य ने संचालन व प्रधान श्री रणसिंह राणा ने आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र आर्य समाज पीतमपुरा दिल्ली में उपप्रधान श्री ग्रोवर जी डा.अनिल आर्य का स्वागत करते हुए। आचार्य विद्याभानु शास्त्री, डा. शिवकुमार शास्त्री, श्री धर्मपाल आर्य के प्रवचन व पं.कुलदीप आर्य के भजन हुए। मंत्री श्री सोहनलाल आर्य ने संचालन व प्रधान श्री व्रतपाल भगत ने आभार व्यक्त किया।

श्री होती लाल सेवानिवृत

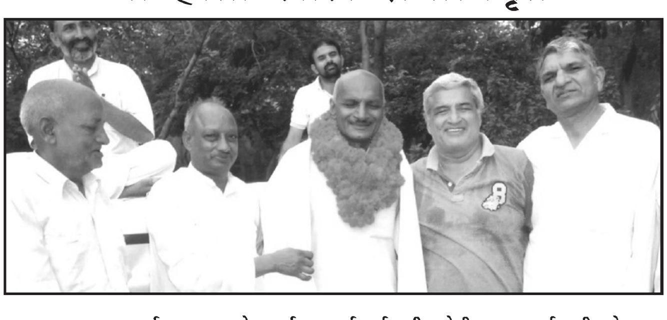

बल्लभगढ़, आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ता श्री होतीलाल आर्य की सेवा निवृति पर स्वागत करते सर्वश्री सत्यदेव, देशबन्धु आर्य, पी.के.मितल, कुलभूषण आर्य, प्रेम चन्द, आचार्य देवराज जी। युवा उद्घोष की ओर से बधाई।

शोक समाचार

1. श्रीमती गोमती देवी (माता श्री धर्मपाल आर्य,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष,के.आ.यु.प.) का गत दिनों निधन हो गया।
2. श्री कृष्णकांत पाण्डेय (पिता श्री सुरेश शास्त्री,फरीदाबाद) का गत् दिनों निधन हो गया।
3. पं.विश्वमित्र शास्त्री जी का गत दिनों निधन हो गया।

युवा उदघोष की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970